

॥ वीक्रम चाप्र ॥ १६ ॥

श्रीगणेशाय नमः श्रीरघुराज ॥ चार आत्मक
हारसो ॥ भेट ला भृगु रासी सी ॥ तेथे कमी लिखे
नी सो ॥ मुदयो के ला ही न कर सो ॥ १ ॥ प्रभाते उद
रता ॥ गुरु सी नमस्कार के ला ॥ आरुन्ध पुरु नी नी
ॐ घा ला ॥ जाला रा ज ह र ज व नी ॥ २ ॥ तेथे के ले
न मन ॥ जाले श्री नर संध्या भे जना ॥ रात्री पाव नी
वी श्रीं ली राय न ॥ गुजळी ली पुर्वी ती रा ॥ ३ ॥ हो से
बोर वी ली पुदणी वरी ॥ पुतर ला न्वी न कुरा च्या द
री ॥ अवे रा ला न न रा जी ली रा त व ले ये क य व

१॥

तेलो ॥ ४ ॥ पूर्वीकेलाहोलाआटा ॥ नग ॥ जनीधरी
 लोबळकर ॥ हणलीबरवा ॥ सणवर ॥ आजीसा
 पडला ॥ ५ ॥ येकसरोलीमुदीवरी ॥ येकधरनी ॥
 वोदीतीचाचरी ॥ येकसणलोने ॥ चालंदुरी ॥ क
 रावाशोधनपो ॥ ६ ॥ नगरजननी ॥ लातेउड ॥ ये
 कीबाधीलादोदिंडा ॥ चीत्रागीस ॥ हणलीकराचां
 डा ॥ यातरकरासा ॥ ७ ॥ पसयी ॥ रांगीनेचोळ
 रचीला ॥ हणहोथोर ॥ हानथजाला ॥ मीदंडीन
 यातरकरासा ॥ ८ ॥ हणला ॥ बहु ॥ ये ॥ ९ ॥ जनजा
 बंदेगोलीयावरी ॥ यासनेला ॥ मदीराभीतरी ॥
 चरणहाडीलेचा ॥ चरी ॥ वीरगुडी ॥ रनडुनीया ॥ १० ॥
 हणजेकटुलेलीस ॥ जकरा ॥ जीवीकाहीनधरा
 वी ॥ पथा ॥ वीचरानी ॥ परमाथी ॥ सनाधानकरावे ॥
 ॥ ११ ॥ हेस ॥ नानाकराणावचनी ॥ वीनवीतीजा
 ली ॥ नगनयनी ॥ पुन्हा ॥ माथारे ॥ उनीचरणीय ॥ आ
 ती ॥ उजानंदे ॥ करनीया ॥ १२ ॥ जाले ॥ आ ॥ भ्यां ॥ गमदी
 ना ॥ दोधरीय ॥ क ॥ रसारी ॥ ले ॥ ये ॥ जन ॥ वीजीया ॥ देल
 आसे ॥ मृग ॥ नयन ॥ पुढे ॥ उ ॥ पी ॥ राहोनी ॥ १३ ॥ आंगी

चन्नि। बायनचहन्॥ कीदयाधरी जणतीलीनी
 जणामस। कदी व्यसुमन। घाती कंदी सहासेची
 ७ नांगी॥ १३॥ तव भावक तारवी॥ सैज श्मररी
 लीबरवी। गुपेंगी चारसी रजवी॥ दावो अपुली
 करालत॥ १४॥ हे सरवटा उकअसे अनुभविया
 २॥ रीगकीली सणे नीदया वीस क्षीम मयदिनाही
 त्या सुरचा सी। पोरुसालः काळजाली॥ १५॥
 ऐसे दीन दीन प्रीति। अर्धक अर्धक वाटे प्रीती
 नगर जनन। श्रियिमानिली॥ सैकली अपुलाने
 मनी॥ १६॥ तीन मार करी मावरी॥ तव कोणीयक
 ॥ बोकुमचा प्रा॥ १७॥
 दीन। करे धरनी प्रीती करी फील होली
 दोधे जण॥ १८॥ तव मुरी ये हे रवली ससरवणी
 ३४ चालपाह सणे नयनी॥ केसी अहा रे वणी राख
 पोरवणी जीपे॥ १९॥ मगवरी वोळ धली वरीला
 रवणारवणी रत्नरोभील॥ तगर तरव सरवीला
 ४॥ रानीयाची॥ २०॥ सातही रवण बहीले। सीरव
 रावरी वळ धले। तव नयनी दरीले। जाली स्थि
 कपेरीपे॥ २१॥ नेरी नहाटीन सणे चार। ची
 नांगी सणे ऐकायेक वी चार। वाजवीला ऐकत

चै उज्ज्व धरा ॥ लो बोला गुध डीला ॥ २१ ॥ सीक
वो लेनाई के चीत्रांगी चो ॥ त्राहाटण के ले भेरी चो ॥
मन संतोष ले वज्र धरा चो ॥ हाकरी ले दुला सी ॥
॥ २२ ॥ हजो जाला वाची त्रांगी दुला आले पवन
चो गी ॥ हजो चाला वोन तें गी ॥ इंदराये पाया सी ले ॥
॥ २३ ॥ उपरी तली उतरली वीला ॥ चारसी आ
पावी ले इंदु माला ॥ हजो मीया नगी होल मीया ॥
लेची जाला ॥ २४ ॥ हो जाला तुस्ती राहावे महीरी ॥
मीजार निदुला वरी वरी ॥ नमस्कार नी होला सी ॥
सख येर नि ॥ २५ ॥ नाला हजो मी ॥ गुजर संग ले येर नि ॥
॥ २६ ॥ ही पाहीन रं ॥ भुवन ॥ ची त्रांगी हजो येर चो दे
हो रिल वी ॥ मया पलन काहीन चो ले ॥ २७ ॥ ची
त्रांगी करी सन्मान ॥ चारन आई के सीक वी ले व
चन ॥ महुका के ला देह पालतुन ॥ बैरव वी सन ॥
वरी ॥ २८ ॥ मग गेली रं ॥ भुवन ॥ नमस्कारी लाई
इराणा ॥ राजापुरे शिमे कलमाणा ॥ हजो कपा पुसा
जी स्वामीया ॥ २९ ॥ गुलम करी नृत्य ॥ टाक नृत्य ॥

मी श्री ल। राग अ। वी ल। श्री मं त। थैं थिर स
 ब्ये उल त। २५। गु मी स के ले हं उ व ल। देवा दी क
 सम र त। पर हा। ली नृ त्प उ त म। ३०। १ मे व रा दे
 ला उ ल। ३१। ना चो गे ली स स ल। ३२। रोक तु
 टा वी ला ला। ते र दि दे र वी ले। ३३। त ल चुक ली
 स द डी द डी। ल री वी र हो इ मी र चा डी। स। दी यो
 जने पर व डी। हो गु नी तु व। प डी यो। ३४। र दि दे दी ध
 टा श्री पा। ची। भा गी ने ध री ल। म नी कं प। स पे द्या
 वा गु श्री पा। फ प। करो नी स। मी वा। ३५। ०॥

वी क स या प्रा। १५।
 स पे जी तु र स के का र व द्यु। से व क जन क प।
 सीं धु। मा स। स क ल ही अ। म रा धु। दि ने मा क र।
 स्व। मी या। ३६। स गे व। नी च्य रेणी रे वी ला मा
 था। व उ न्ध र। ज। ल। उ श्री पी त। फो डु नी पी
 र क री ला। तु त म ग। ली पा व सी ल। ३७। स पे
 जी व उ न्ध पा नी स क ल श्रें धु। स। री यो जन
 वी र। ते कै सी हो री ल पी द्यु। ह म ज। अ। पु र्व व।
 र त से। ३८। व उ न्ध र। स पे मृ ग न य नी। आ
 स ल प न क मा स। वाणी। स व र। यो न ध री आं ल

कस्सी। (उत्तर महेह पायसीला। ३७। मंगल
५। इन्ना। पुरोनी नीधाली। चीत्रकुरासे पावली। ५।
थोर चीलाग्रसजाली। लेह्रावीनवीचरोते।
॥३८॥ ह्मणे जीधडले आनुची। श्रापजाला
६। कटीण बहुल। नरळे पुर्वदल। तैसीच आटवेवा
सना। ॥३९॥ चारामणे चीला नकरी सर्वथा।
व्यापक सवीभुल माना। लोबगवेकरी लग ४०।
ऐसे केले स माधान। सखर सारले पो जन।
लेवजाला आरुमान। नीद्र। करी उभयेता।
॥४१॥ प्राणसाही। चीत्रांगे। चार उहेले जेची
वेगी। जावोनी नैसला मागी वाट पहिराज
६७। हावसाची। ४२। बरवामाधान काळजाली।
पेदनीच राधे उनी आला। चार पुढे वरी
वेसला। पावला वट दक्ष। ४३। जाते भोज
नय थारची। आरुनाधे सली राज हावसा
ची। वाट घरी ली बरी का भमाची। केले श्री
(गुरारी नमन। ४४। समुळवलांत सांगी
लला। गुरात्मणे जाईगा मारोहरा। लाल

धुन योजन सोळा ॥ नगर येक आसे ॥ ४५ ॥
७१ टावे नृपे द्वारसी ॥ मणवे वीर उदेले ॥ पुसी
४॥ या दे शासी ॥ कोणी नाही सांगला ॥ ४६ ॥ ४॥
चीर वाटलसे प्रती हीनी ॥ ते फोडो नटाकाची
७॥ ललटणी ॥ हे सेलयसी हणोनी ॥ कायी सापु
देकरा धावे ॥ ४७ ॥ गुराची उबारना ॥ दे उनी गरा
कोणी गेला पेपेणी ॥ चीर देवो नोयानयनी ॥
माहावी काळ करवणी ॥ ४८ ॥ सेधुन दक्षण
ही मेचाली ला ॥ जादनी याणी भोरल ॥

४॥ वीर कसचा प्रावधा ॥
वाटे हीला ॥ करोला जापुला स्याही ॥ परमाधिची
वडा ॥ ४९ ॥ च्या राखणी नीधाला ॥ राजा बो
४॥ कचील आला ॥ परस्ये जाला ॥ जाग्रहे देउ
वलाचा ॥ ५० ॥ राचफी रोन गेला नगरा ॥ अज
पावला केदारा ॥ भेटला मुनेश्वरा ॥ संगे स
कळ रत्ना ॥ ५१ ॥ सुन से लोवला ॥ हणो लुआ
हो आस सीवरा गला ॥ जा उरीर्या होरि प्र
१॥ लवेळा ॥ गमन लुचा करावो ॥ ५२ ॥ तेमान

हो आना सी। ह। पेठरा रना तु रपी रसी।।
लै थो क मी ली ले नी सी।। प्रभा ल वेळ पे ज्ञा
११॥ ८२॥ गुरा रसी के ले दं उचल।। बीजे के ले ह
री ल। पा व ला ही मा ल्म प र्व ल। वळ व ला व ट्ठ
८३॥ ८३॥ ल व आ गे ली धे पुत्रा पा क जा
ला सो द्र ग ल। ओ ज नै जाले स नु स।। क मी
ली ले नी सी।। ८४॥ उ ग व ला ली न क री। हे स
च। रा वे स धी प्र क्षी व री। गुरा र ला ची न क री
री।। आ प ण ज सि पु र।। ८५॥ प्रो ले प्र क्षी
क री ली। ह। ग ली आ हे ली वी नं ली। व क्षी ल री
सु क्ष म दी स ली।। च। र य ली के से व ही लो।
८६॥ क वी ल न य शो ली या ने। हे स वा हे सार
८७॥ ८७॥ स्वामी काली के का ली म यो री ल। प
क्षी के से सा मा न्प ह ग वा। ८८॥ ठै का र प्र क्षी
ली स री।। च व द। मु व न ज या च। उ री। लो क
प्र वा हे प्र क्षी व री। ग र उ प क्षी या के सा। ८९॥
छ। जी के ले का प क्षी या ची क था। सी धु जी
ही वी नं डी ला हो ल।। र। ची या पु र श। थ।

पतरनाही॥८५॥ कार्यतरी खलमहोते॥ परीप
दरीकुळ मीजाली बहुता॥ ते परीसची नुराणे॥
१२॥ रचा मीराया॥८६॥ टीवी टीवीची छंटी॥ द्या १२॥
तली होती समुद्रोच दरती॥ ते सांठोनी घरी॥
दोघे चारीया सगेली हो॥ ती॥८७॥ लवले थे आ
दरी वेडकुळी॥ आं डीये उनी गेली गा क्राजी॥ रे
वली आ पुल्या घर मंडळी॥ दिव वया कारणो॥८८॥
पदरी चारीये उनी उरली॥ उरा पदरी आंठी पा
होला गली॥ हण ती वेणे नेली॥ १३॥ हाती सा

१४॥ वी क्रम चा प्रा १५॥
छुंली री॥८९॥ पावले दरची री वेडकुळीची॥
रसुली करती री॥ चो गली आं डी रेखावी
जो मूचो॥ नाही लरी बर येन ही जाणा॥९०॥ तो
नाय के तपाचें॥ मनस लापले पदरीयाचो॥ १४॥
पली शोशान कुरा समुद्रोच॥ उदक घे उनी च
चवटी टाकी ली॥ आं हा ला यध रानो म नरी॥
हण पली कोरडे काल सिधु सी गल वले थे आले
नो रुद रसी गल या सी खा गी लला वल गला॥९१॥
लोहणे बरवी रसा पडली रेधी॥ कांय जीली री

१३॥ धी॥ क जी ल उ नी प द शी आ णो द शी रा ष्ठी बी ॥ १३॥
 १३॥ म ण वो नी नी दा ला त री ता ॥ १४॥ प्र थ म गे ला ल
 के सी ॥ स ण गी ल ले स म र त्त प द शी या सी ॥ ह णे ग
 जी ले तु म ची या श्च कु का सी ॥ न द श्च रे ॥ १५॥
 स ण गे आ व धा व ला तु ग ह णे तु म चा क य रे पु ग
 रा थु ॥ ज न्म जाले रे थु ॥ न पु टा का चे पै ॥ १६॥
 पी डी ल रे तु म ची या कु का ॥ का य पा हा ला नी श्च
 ला ॥ धा वा धा वा स क का ॥ आ पु ले न प्र ता पे ॥ १७॥
 ले धा व ले न क का ॥ आ पा र पा व ले प द शी द क य
 वे ढी ले सी धु ज क ॥ पु ट ल प क ज क च रा सी ॥ १८॥
 ले धु न नी दा ला न रा द शी ॥ ग मी न ले ती ही लो का
 सी ॥ श त के ले प द शी कु का सी ॥ द क चा ती ले आ पा रा
 ॥ १९॥ रा ये स के रं वो धु जे डा ॥ व ही री स सा णे ल ग डा
 व क है स ग रा डा ॥ टो क जी द आ स र व ॥ ता ॥ २०॥
 ले वे ची डी चो तर ॥ व की या आ णी च के र ॥ व ड वो
 गु का भ ये का र ॥ कौ को ला सु र य र ग ला ती ॥ २१॥
 बा ला ती नी हो ला ॥ सी व णी या आ णी का गु के ॥
 क र कु ची या क र ती क र वा के ॥ आ ती आ नं दे क
 र नी या ॥ २२॥ आं ग व ग ल से पा ल पा र वे

बेहवसो। कुकड़ी पान कुकड़ी या ससो। ११८॥
१४॥ ये ये नहोले। ११९॥ के उयाळ उ उताली आ का १२०॥
सी॥ बुडी मारली गो। लीली मी नासी॥ बहक हा
॥ रुषे मानसी॥ सगळे मासे गीळ ता ली १२१॥
॥ जुवडी वरायो भुरीची डाळु मा हा बोहा॥ करढे
क बीर रावो॥ आले वळी या डे थोर थोर॥ १२२॥
युध्म मां जी ले पक्षी या सी॥ आणी जळ चरा सी॥
आली आं न नारदा सी एक की वी न होल गुप वा
सी॥ शेडी ल उ ल डी मा था सी॥ १२३॥ पक्षी या चरा

॥ वी कम चो ज ॥ १२४॥
सांगे ला वीर चरा॥ गृथे हा ले परा रा ये क ये का
चे शरीर॥ हर शिंदो दरा या जे ना १२५॥ संग्राम मा
डी ला थोर॥ सीधुं जळी चे च ल ले वीर॥ मी न आ
॥ १२६॥ णी मगरा॥ आ पु वळी वीर चका १२७॥ वीरो ले
आणी कर वळ॥ बे डुक आणी कुर्म वळ॥ नो डे
सा व ज वीरा के॥ मया न क ग ड ग ड ली १२८॥ प
क्षी बुडी या मार सी॥ मी न उरा ले मार सी॥ वळे
आ पु ल्मा वो दो ली॥ ये क मे का र सी १२९॥
ये व टी ला वी ली वीर वळ॥ पक्षी को डी ता ली डे

के॥ पाय हाणो नीट काळे॥ करली वेगळे कर
 चरण॥ ११५॥ मगर माहावीरा कसेप॥ पक्षी हा
 १५॥ जो जाली झुडपे॥ मगर सीरी कोनी आक्षेपे॥ जे
 ठाम धेरी घली ॥ ११६॥ मगर मा लले बळ बूली॥
 तथा वरी देवी लाज दायुरी घगली॥ लेणे केला
 हांसी॥ मगर मगराची ॥ ११७॥ लवु टावले ना
 उसा वज॥ लवु चरी गर उरा ला॥ लिथे जाले जुं
 जा॥ आधी कबळ खगे चरण ॥ ११८॥ आधी क
 बळ पक्षी जाये॥ सवळ के लाज वंचरा चा॥ उ
 हक रोको ले सीरी च्या॥ काळे नी नमगरा॥ ११९॥
 बडुक वरगा॥ लेण्य हा आधारी उर
 ली॥ पक्षी चरण हाणी बीदार ली॥ अली
 २५॥ रीळी ली बडुका वी॥ १२०॥ येक वीर ले शेबी
 ने ले॥ ले संग ले जीगी लीले॥ हणली वर वेसाप
 उळे॥ गरा उमणे उर ले होले ले॥ १२१॥ से ग्राम
 जाले लुबळ॥ ले पोरवळ वळ ले सीधुं जळ॥
 थोर के लाहा लें काळे छ॥ आली अनंद पक्षी
 यासी॥ १२२॥ येक गाणी येक नाचली॥ ये कर

रसेधुमली॥ येक जेनाक लोडीली॥ हलदितराब्धि॥
 ॥१२३॥ होरा जाला वारण कंदु॥ लेजे भयाभीत जाला
 लासींधु॥ निपेकाय जाला गाज पाराधु॥ लोसा
 गं मुख वचनी॥ ॥१२४॥ पदरी क्षण ली कोणा बा
 लणी॥ येना लोनी स मुद्र जाला॥ नकळ लासारा
 ची वंचना॥ कासकारी ले जळ चरासी॥ १२५॥
 पदरी क्षण ली लुमु रवे दे राब्धि॥ पुवी केली क
 रा मासी कुंठु घी॥ लेजे धळवीळी त्री सुधी॥
 घेतला येदा चाल कोकण॥ १२६॥ ०॥

रायक्रम चण प्रण १२७॥
 लासा के ले लोनी॥ जो डोने कोटी टचीची॥
 रुही वेगी काराची॥ लाची॥ नाही लरी जळसा
 डोनी पळयो॥ १२८॥ जो डोने ली हे गा नाही म
 जकता॥ गोधन कमावी प्रण १२९॥ लवनी श्रव
 होनी येथे॥ पदरी यासी चालवो॥ १३०॥
 पदरी वजी लि पदरी कुळा॥ सींधु प्रवेश ला
 जळा॥ जळ चखे ला बीळे रकळा॥ करा रा
 धन पी लीयाचे॥ १३१॥ ली ही के ले गोधन॥

बेडकुकी आणीली धरान् । समुद्र आला
आं डीधेउना । लेदी धाती डीटकीसी ॥ १३० ॥ ११
११ समुद्र हाणे गरजारी । मजकन कळला युध्य
१५ तुला आणी जळ चरासी ॥ वीरा दनधरावा
मानसी ॥ हाणवोनी गोरवीला ॥ १३१ ॥ दीध
रती चरत्रे अलिंकार ॥ जेजी मुरच्य नायक थोर
थोर ॥ करानीयान मरकारा पदरीया बोळ
वीला जाहाला ॥ १३२ ॥ पक्षी गेले आपुनी
याटायासी ॥ डीटवी राहोली दरडीसी ॥ कवी
हाणे श्रोतरीयासी ॥ लेला प्रलाप पक्षीयाच्या ॥
॥ १३३ ॥ च्यारो लेकाय वापुडे ॥ जाणो पवला वरी
हंरबडे ॥ जैसे तेजेची पोंडा ॥ आर च्यारचा ॥ १३४
१५४ च्यारचीत्र कुटाल दीद्याला ॥ लेमगरजनी
देखवीला ॥ तीही अलीरुन्मानीला ॥ १५४
हमारे दीचीत्रांगी च्यार ॥ १३५ ॥ चीत्रांगी
टली लाकळ ॥ सोडुनी वीरगुटी ॥ सा
डी चरण कमळ ॥ अक्षयानी वरी टवीले

नीठवा करि पुज्यो ॥ ३ ॥ पुंच्यारो ॥ १८ ॥
॥ १३ ॥ स्तारली जंगण रची गलावा
रत्न माना ॥ कंभीली लेर जनी जेण मंग
वलादी न करा ॥ १४ ॥ ले मदीन दीना प्रती
संलोपर पेना दती ॥ पुढे कोरजी जाली गली
लेर पांगरे हारी दासा ॥ १५ ॥ इती श्रीविक्रम
चरीत्र प्रग ॥ १६ ॥ सपुर्ण मल्लु श्री कृष्ण पण मल्लु ॥



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com